JAGRAN CITY PAGE I

लविवि ने कालेजों से पूछा, कितना कोर्स पढ़ाया

महाविद्यालयों को पत्र लिखकर छह जुलाई तक दिया समय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम्बद्ध महाविद्यालयों से आनलाइन पढ़ाई का ब्योरा तलब किया है। महाविद्यालयों से पूछा है कि अप्रैल से अब तक आनलाइन पढ़ाई में कितना कोर्स पूरा किया है और कितना बाकी है। छह जुलाई तक महाविद्यालयों को इसकी पूरी रिपोर्ट महाविद्यालय विकास परिषद (सीडीसी) के अधिष्ठाता को देनी होगी। ऐसा न करने वाले कालेजों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया जाएगा।

कोरोना की वजह से अप्रैल में सभी शैक्षिक संस्थानों को बंद करते हुए शासन ने आनलाइन पढ़ाई के निर्देश जारी किए थे। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध 174 महाविद्यालय भी शामिल हैं। आनलाइन पढ़ाई की मानीटरिंग के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने गूगल फार्म बनाया। सभी कालेजों को प्रत्येक सप्ताह आनलाइन पढ़ाई का ब्योरा इस पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। सीडीसी के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि समीक्षा के दौरान पाया कि कई कालेजों ने इसमें अपडेट नहीं किया है। इसलिए सभी कालेजों से ब्योरा मांगा गया है। जहां से रिपोर्ट नहीं आएगी, उन कालेजों को नोटिस जारी किया जाएगा।

लविवि के ओएनजीसी परिसर में पौधारोपण करते विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, साथ में हैं प्रो. एम. सेराजुद्दीन ● सौ. लविवि

कुलपति ने लगाए रुद्राक्ष और पारिजात के पौधे

लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ओएनजीसी सेंटर में लाल चंदन, पारिजात और रुद्राक्ष के पौधे लगाए गए। साथ ही सेंटर का निरीक्षण किया। इसके बाद सेंटर के डायरेक्टर प्रो. एम. सेराजुद्दीन व अन्य प्रोफेसरों के साथ एमएससी इन कम्प्यूटेशनल बायोलाजी विषय शुरू करने पर भी चर्चा की। इस मौके पर प्रो. राजीव मनोहर, प्रो. ध्रुवसेन सिंह, प्रो. मोनिशा बनर्जी, प्रो. अमिता कनौजिया मौजूद रहीं।

डी.ए.वी पीजी कालेज के प्राचार्य सेवानिवृत्त

लखनऊ: डी.ए.वी पीजी कालेज के प्राचार्य केके पांडेय शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में कॉलेज के प्रबंधक मनमोहन तिवारी, अंजनी कुमार मिश्र, डॉ संजय तिवारी, डॉ दीपक, बीएन ओझा व प्रभात कुमार बोस ने उन्हें पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। शिक्षकों ने केके पांडेय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्यों की सराहना की।

अध्यापकों और शोधार्थियों को मिलेंगे तीन बेस्ट रिसर्च अवार्ड

जासं, लखनऊ : लविवि ने शिक्षकों और शोधार्थियों के बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए इस साल बूस्ट अवार्ड योजना-2021 की शुरुआत की है। तीन प्रकार के अवार्ड अकलेम, उद्दीपन और प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसके लिए शिक्षक व शोधार्थी 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी ने बताया कि अकलेम के अंतर्गत फैकल्टी के वे शिक्षक आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें नेशनल या इंटरनेशनल स्तर पर शोध अवार्ड मिल चुका हो। चयनित को पांच हजार रुपये, मेडल और प्रमाणपत्र दिया जाएगा। प्रोत्साहन अवार्ड के लिए असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसर पात्र होंगे। इसमें वे सभी शिक्षक भी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने पिछले साल नहीं किया था। उद्दीपन में सिर्फ शोध छात्र आवेदन कर सकेंगे। आवेदन फार्म विभागाध्यक्ष से अग्रसारित करवाना होगा। आवेदन researchcell.uol@gmail.com पर भेजना होगा।

'सफलता के लिए अच्छे से करें समय प्रबंधन'

बहुत सारे छात्र अक्सर बड़े अवसरों पर असफल हो जाते हैं, क्योंकि वे अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन नहीं करते। समय प्रबंधन का मतलब अकेले पढ़ाई के लिए अच्छी तरह से तैयार की गई योजना नहीं है। व्यक्ति को खुद को बेहतर तरीके से जानने के लिए स्वयं के साथ समय बिताना चाहिए। यह विचार शुक्रवार को लविवि के फारसी विभाग ने परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित वेबिनार में राज योग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के फैकल्टी सदस्य बीके गौरव वोहरा ने रखे। इस अवसर पर फारसी विभाग के प्रमुख प्रो. उमर कमालुद्दीन और प्रो. मधुरिमा प्रधान ने भी छात्रों को जीवन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

i-NEXT PAGE 4

अब तीन अवार्ड शुरू करके रिसर्च को बढ़ावा देगा एलयू

बूस्ट अवार्ड योजना-2021 के अंतर्गत जारी किए गए निर्देश

LUCKNOW (2 July) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षकों और शोधार्थियों के बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए इस साल बूस्ट अवार्ड योजना-2021 की शुरुआत की है. तीन प्रकार के अवार्ड अकलेम, उद्दीपन और प्रोत्साहन दिए जाएंगे. इसके लिए शिक्षक व शोधार्थी 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं. डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी ने बताया कि अकलेम के अंतर्गत फैकल्टी के वे शिक्षक आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें नेशनल या इंटरनेशनल स्तर पर शोध अवार्ड मिल चुका हो. कमेटी के चयन के बाद उन्हें पांच हजार रुपये, मेडल और प्रमाणपत्र दिया जाएगा. प्रोत्साहन अवार्ड के लिए असिस्टेंट और एसोसिएट प्रोफेसर पात्र होंगे. इसमें वे सभी शिक्षक भी आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने पिछले साल नहीं किया था. चयनित शिक्षकों को पुरस्कार दिया जाएगा. वहीं, उद्दीपन में सिर्फ शोध छात्र आवेदन कर सकेंगे. इसके लिए जुलाई 2020 से जून 2021 तक प्रकाशित शोध पत्रों का ब्योरा देना होगा. साथ ही अपना आवेदन फार्म विभागाध्यक्ष से अग्रसारित करवाना होगा. आवेदन <e>researchcell.uol@gmail.com पर भेजना होगा. तीनों रिसर्च अवार्ड के लिए अलग-अलग कमेटी होंगी. इनमें डीन एकेडमिक, डीन रिसर्च, डायरेक्टर आइक्यूएसी और कुलपति की ओर से नामित दो सदस्य शामिल होंगे. कमेटी विजेताओं के नाम घोषित करेगी.

डीन रिसर्च प्रो. मोनिशा बनर्जी ने बताया कि अकलेम के अंतर्गत फैकल्टी के वे शिक्षक आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें नेशनल या इंटरनेशनल स्तर पर शोध अवार्ड मिल चुका हो.

NBT PAGE 3

एलयू में शिक्षकों के 39% पद खाली

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को 17 विख्यात शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने से अध्यापन का संकट और गहरा गया है। राजभवन से नियुक्ति नियमों में बदलाव के चलते पिछले साल विज्ञापित 180 रिक्त शिक्षण पदों पर नियुक्ति पहले से ही लंबित है। अब रिक्त पदों की संख्या बढ़कर 197 हो गई है, जो कुल स्वीकृत 516 स्थायी पदों का लगभग 39 फीसदी है।

दो दिन पहले रिटायर हुए 17 शिक्षक, पिछले साल विज्ञापित 180 रिक्त पदों पर नियुक्ति लंबित

शिक्षकों के सेवानिवृत्त होने के साथ, सितंबर में शुरू होने वाले नए शैक्षणिक सत्र में वर्तमान संकाय पर बोझ बढ़ जाएगा, क्योंकि जब तक विवि फिर से विज्ञापित करेगा और रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगा, तब तक सत्र शुरू हो चुका होगा। वर्तमान में एलयू में छात्रों की संख्या 17,054 और छात्र-शिक्षक अनुपात 1:39 है, जबकि विवि अनुदान आयोग 1:20 फीसदी के साथ पढ़ाई सुनिश्चित करता है।

इन विभागों में शिक्षकों के पद खाली: एलयू के रसायन विज्ञान विभाग के 36 स्थायी पद में 23 पद खाली हैं। इसी तरह प्राचीन भारतीय इतिहास के 14 में आठ, भौतिकी के 34 में 9 और बॉयोकेमिस्ट्री के 12 पद में 5 रिक्त हैं। यही हाल अन्य विभागों का भी हैं, जहां से शिक्षक सेवानिवृत्त हुए हैं।

TOI PAGE 3

LU witnesses surge in applications from foreign candidates

Times News Network

Lucknow: The Lucknow University has received 371 applications – highest in five years – from foreign students for admission to various undergraduate and postgraduate courses this year.

Applicants include one student each from England and Myanmar, while multiple applications have been received from residents of African countries, Afghanistan, Indonesia, Sri Lanka, Russia, Tajikistan, Kenya, Nepal and Namibia.

These students will be admitted through the Indian Council for Cultural Relations' (ICCR) student scholarship programme.

The number of applications from foreign countries has witnessed a jump of nearly four times as compared to last year. The Myanmar national applied for admission to a post-graduate course in Indian history at the Ancient Indian History department and the student from UK wants to pursue development studies at UG level in social works department.

"Last year, 100 foreign students had applied of whome 69 took admissions. We have received 371 applications this year," said the Director of International Collaborations and International Students Advisor, LU, Prof RP Singh. Around 20% applications have been received for admissions to management courses like MBA/BBA, besides PhD," he added.

"Foreign students have also shown interest in studying Indian culture, Hindi literature, English and even Sanskrit. After screening of applications, information of those found suitable will be sent to the embassy of the country concerned so that the admission process can be completed," he said.

HIGHEST IN FIVE YEARS

Singh said the university was making better accommodation facilities for foreign students. "Earlier, the accommodation of these students was arranged at Balrampur International Hostel and Nivedita hostel, but now Acharya Narendra Dev Hostel has been revamped for such students," he added.